AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

इंटर्नशिप से बढ़ाएंगे स्किल

लविवि : कर्मयोगी की तर्ज पर कर्मोदय योजना की शुरुआत, मिलेगा 50 घंटे का काम, सर्टिफिकेट भी देगा विवि प्रशासन

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत विद्यार्थियों को स्किलड बनाने के लिए कई कवायद कर रहा है। इसी क्रम में विवि की ओर से अब कर्मोदय योजना की शुरुआत की जा रही है, जिसमें विद्यार्थी पढ़ाई के साथ प्रतिदिन दो घंटे और एक सेमेस्टर में अधिकतम 50 घंटे विभाग, लैब, कार्यालय आदि में इंटर्नशिप करेंगे और विवि प्रशासन उन्हें सर्टिफिकेट देगा। इस योजना में विद्यार्थियों को इंसेंटिव नहीं दिया जाएगा।

विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा पूर्व में कर्मयोगी योजना की शुरुआत की गई थी। इसमें भी विद्यार्थी प्रति दिन दो घंटे किसी विभाग, कार्यालय आदि में काम करते थे और 150 रुपये प्रति घंटे के हिसाब से 300 रुपये प्रतिदिन का इंसेंटिव दिया जाता था। जो अधिकतम 50 दिन में 15 हजार है। पहले चरण में 70 से अधिक विद्यार्थियों को इसमें काम भी दिया गया। किंतु इसमें वही विद्यार्थी आवेदन कर सकते थे, जिनकी आय तीन लाख रुपये सालाना से कम हो और उन्हें कोई और छात्रवृत्ति न मिलती हो। इसके चलते कई विद्यार्थी इससे वंचित रह गए।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि कर्मयोगी में कई विद्यार्थियों का चयन नहीं हो पाया, जबकि वे इंटर्नशिप के इच्छुक हैं, मेरिटोरियस भी हैं। साथ ही हमारे विभागों की जरूरत भी है। इसे देखते हुए हमने कर्मोदय की शुरुआत करने का निर्णय लिया है। इससे विद्यार्थियों को काम करने का अनुभव मिलेगा। वे रोज दो घंटे, एक सेमेस्टर में 50 दिन अधिकतम काम कर सकेंगे। इसके आधार पर अनुभव प्रमाणपत्र दिया जा सकेगा।

प्रो. राय ने बताया कि कर्मोदय का मूल उद्देश्य एक ऐसा वातावरण तैयार करना है जो कार्यों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से सीखकर छात्रों की क्षमताओं को विकसित करें। यह एक अवैतनिक योजना है, जिससे छात्रों की स्किल विकसित की जा सके। विश्वविद्यालय छात्रों को वास्तविक कार्यस्थलों का अनुभव कराने, उनके ज्ञान व कौशल में गुणात्मक वृद्धि करने के लिए कैंपस में इन हाउस इंटर्नशिप को प्रोत्साहित कर रहा है। इससे छात्रों को सकारात्मक और सार्थक कार्यों में लगाकर उनकी युवा ऊर्जा को एक दिशा देने में भी सहयोग मिलेगा।

जल्द शुरू होंगे आवेदन

डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि एनईपी में स्किल डेवलपमेंट पर काफी जोर है। इस योजना का उद्देश्य यह है कि विद्यार्थी सिर्फ किताबी ज्ञान तक न सीमित रहें बल्कि उनको प्रैक्टिकल अनुभव भी दे सकें। अभी विद्यार्थियों की परीक्षा चल रही है, इस दौरान उनके आवेदन लेंगे। प्रक्रिया पूरी कर परीक्षा के बाद इंटर्नशिप शुरू करा देंगे। ताकि सेमेस्टर पूरा होने के साथ उनके हाथ में डिग्री के साथ अनुभव प्रमाण पत्र भी होगा। योजना में विवि के सभी छात्र आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के तहत परिवार की आय के आधार पर, या किसी अन्य छात्रवृत्ति मिलने पर भी कोई दिक्कत नहीं होगी।

अधिकतम एक सेमेस्टर

प्रो. टंडन ने बताया कि इंटर्नशिप अधिकतम एक सेमेस्टर के लिए होगी। विवि में स्नातक या परास्नातक पाठ्यक्रमों के अंतिम या पूर्व अंतिम वर्ष के छात्र आवेदन कर सकते हैं। विवि के नियमित या स्ववित्त पोषित पाठ्यक्रमों के विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए पिछली परीक्षा में न्यूनतम 60 फीसदी अंकों के साथ उत्तीर्ण होना और पिछले शैक्षणिक सेमेस्टर या वर्ष में कम से कम 75 फीसदी उपस्थिति रहना अनिवार्य है।

लखनऊ विवि में प्री पीएचडी कोर्स वर्क का परिणाम जारी

लखनऊ। लखनऊ विवि में फेकेल्टी ऑफ लॉ ने प्री पीएचडी कोर्स वर्क 2019-20 का परिणाम जारी कर दिया है। विवि प्रशासन के अनुसार इसकी विस्तृत जानकारी वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

प्रयोगात्मक परीक्षा पांच मार्च को : लखनऊ विवि में स्टेटिस्टिक्स विभाग में एमए-एमएससी तीसरे सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षाएं पांच मार्च को आयोजित की जा रही हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. राजीव पांडेय के अनुसार परीक्षा सुबह 10 से दोपहर एक बजे के बीच विभाग में आयोजित की जाएंगी।

सेलेक्शन ट्रायल आज : लखनऊ विवि में इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता के लिए रेशलिंग मेंस का ट्रायल 28 फरवरी को आयोजित किया जा रहा है। सचिन प्रो. रूपेश कुमार के अनुसार दोपहर दो बजे से महाराजा सिंह जिम्नेजियम में ट्रायल का आयोजन होगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

प्रयोगात्मक परीक्षा पांच को

लखनऊ : लवि के सांख्यिकी विभाग ने एमए, एमएससी तीसरे सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षाओं की तिथि जारी कर दी। परीक्षाएं पांच मार्च को सुबह 10 से एक बजे तक होंगी। विभाग के हेड प्रो. राजीव ने इसका नोटिफिकेशन जारी किया। (जासं)

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू अब पढ़ाई के साथ इंटर्नशिप भी करवाएगा

अच्छी खबर

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय जल्द ही एक ऐसी योजना शुरू करने जा रहा है जिसके अंतर्गत छात्र पढ़ाई के साथ-साथ काम भी सीख सकेंगे। एक तरह से यह छात्रों के लिए इंटर्नशिप जैसा होगा। कर्मयोगी की तर्ज पर शुरू होने जा रही इस 'कर्मोदय' योजना में छात्र पढ़ाई के साथ-साथ यहां के विभिन्न विभागों में 50 दिन काम करेंगे, जिसके ऐवज में उन्हें अनुभव प्रमाण पत्र दिया जाएगा, जिसके आधार पर उन्हें आगे रोजगार भी मिल सकेंगे।

बता दें कि कुछ दिनों पहले लखनऊ विवि ने कर्मयोगी योजना के अंतर्गत छात्रवृत्ति की शुरुआत की थी। इसमें चयनित छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के अतिरिक्त रोजना दो घंटे (अधिकतम 50 दिन) काम करना होता है। एक शैक्षिक सत्र में उन्हें इसके लिए 15000 रुपए तक दिए जाते हैं। इसी क्रम में अब कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देशन में डीन स्टूडेंट वेलफेयर ने नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत 'कर्मोदय' की शुरुआत की है। पहले शुरू की गई कर्मयोगी छात्रवृत्ति में छात्र-छात्राओं को काम के अनुरूप भुगतान भी हो रहा था लेकिन कर्मोदय में ऐसा कोई प्राविधान नहीं है। यह योजना छात्र-छात्राओं को सीखने का अवसर देगी। 'कर्मोदय' पहल का मूल उद्देश्य, एक ऐसा वातावरण तैयार करना है जिसमें छात्र-छात्राएं काम करके सीखें और अपनी क्षमताओं को विकसित करें। डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि यह एक अवैतनिक योजना है। इसमें छात्रों को वास्तविक कार्यस्थलों का अनुभव कराने, उनका कौशल बढ़ाने की पहल की जा रही है।

कौन कर सकता है आवेदन

- 'कर्मोदय' योजना में विश्वविद्यालय के स्नातक-परास्नातक पाठ्यक्रमों के अंतिम वर्ष के सभी विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के तहत परिवार की आय या किसी अन्य संसाधन से किसी अन्य फेलोशिप, छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले भी आवेदन कर सकेंगे।
- यह इंटर्नशिप योजना उन छात्रों की मांग पर शुरू हो रही है, जो 'कर्मयोगी' योजना में आवेदन करने के लिए पात्र नहीं हैं।
- शर्त यह है कि पिछली परीक्षा में छात्र-छात्राओं ने न्यूनतम 60 फीसद अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो और 75 फीसद उपस्थिति रही हो।

i-NEXT PAGE II

पढ़ाई के साथ अब इंटर्नशिप भी

लखनऊ यूनिवर्सिटी कर्मोदय योजना के तहत पढ़ाई के दौरान इंटर्नशिप की सुविधा भी उपलब्ध कराएगा

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (27 Feb): स्टूडेंट्स को पढ़ाई के साथ काम सीखने का मौका मिले, इसके लिए लखनऊ यूनिवर्सिटी जल्द नई पहल करेगा. कर्मयोगी की तर्ज पर कर्मोदय योजना की शुरुआत होगी. इसमें स्टूडेंट्स को पढ़ाई के साथ विभागों में काम करने का मौका मिलेगा. इन हाउस इंटर्नशिप के तहत 50 दिन स्टूडेंट्स को काम करना होगा, जिस पर उन्हें सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा. एलयू ने हाल ही में कर्मयोगी छात्रवृत्ति की शुरुआत की थी. इसमें चयनित स्टूडेंट्स को रोजना दो घंटे अधिकतम 50 दिन काम करना होता है. एक शैक्षिक सत्र में 15000 रुपए तक उन्हें दिए जाते हैं. अब वीसी प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देशन में डीन स्टूडेंट वेलफेयर ने नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप कर्मोदय योजना शुरू की है .

सीखने का मिलेगा मौका

कर्मोदय पहल का मूल उद्देश्य, एक ऐसा वातावरण तैयार करना है जो कार्यों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से सीखकर छात्रों की क्षमताओं को विकसित करे. डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि यह एक अवैतनिक योजना है. स्टूडेंट्स इस योजना का लाभ लें.

CONCEPT PIC

ऐसे कर सकते हैं आवेदन

कर्मोदय योजना में यूनिवर्सिटी के अंतिम वर्ष के स्टूडेंट्स आवेदन कर सकते हैं. इस योजना के तहत परिवार की आय या किसी अन्य फेलोशिप, छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले भी आवेदन के पात्र होंगे. यह योजना यूनिवर्सिटी के उन छात्रों की मांग पर शुरू हो रही है, जो कर्मयोगी योजना में आवेदन करने के लिए पात्र नहीं है. यूनिवर्सिटी के वे स्टूडेंट्स योजनाओं के लिए पात्र होंगे, जो यूनिवर्सिटी में यूजी या पीजी कोर्स के अंतिम या पूर्व अंतिम वर्ष के छात्र हैं. नियमित या सेल्फ फाइनेंस कोर्स के लिए नामांकित है. पिछली परीक्षा में न्यूनतम 60 फीसद अंकों के साथ पास और पिछले शैक्षणिक सेमेस्टर या वर्ष में कम से कम 75 फीसद उपस्थिति रही हो.

डीन स्टूडेंट वेलफेयर ने नई शिक्षा नीति के अनुरूप कर्मोदय योजना शुरू की है .

प्रो. विवेक प्रसाद को पुरस्कार

लखनऊ यूनिवर्सिटी में आज होगा पुरस्कार समारोह

LUCKNOW (27 Feb): लखनऊ यूनिवर्सिटी में सोमवार को विज्ञान दिवस के अवसर पर माइक्रोबायोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया के सहयोग से, बॉटनी विभाग में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है. इसमें बॉटनी विभाग के प्रो. विवेक प्रसाद को वायरस रिसर्च के क्षेत्र में विशेष योगदान देने के लिए आजीवन माइक्रोबायोलॉजी निष्ठा पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा.

कई अवार्ड दिए जाएंगे

समारोह में करीना अफजल को बेस्ट ओवर पेपर प्रेजेंटेशन, हर्षिता गौरव को बेस्ट पोस्टर प्रेजेंटेशन, हिमांशु यादव, अंकिता मौर्या व रामानंद यादव बेस्ट स्टूडेंट अवॉर्ड दिया जाएगा. इंटीग्रल यूनिवर्सिटी की छात्रा फौजिया परवीन को भी यहां पुरस्कृत किया जाएगा. बता दें कि बीती 24 अक्टूबर 2021 को बॉटनी विभाग में एक अंतरराष्ट्रीय ई कॉन्फ्रेंस हुई थी, जिसमें विभिन्न यूनिवर्सिटी से शिक्षकों, शोधछात्रों ने अपने पेपर प्रस्तुत किए थे.

JAGRAN CITY PAGE I

पढ़ाई के साथ ही इंटर्नशिप भी कर सकेंगे विद्यार्थी

लवि : विद्यार्थियों को उनकी स्किल व मेरिट के आधार पर दिया जाएगा विभागों में काम करने का मौका

जासं, लखनऊ : विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ काम सीखने का मौका मिले, इसके लिए लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) कर्मयोगी योजना की तर्ज पर कर्मोदय योजना शुरू कर रहा है। इसमें विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ विभागों में काम करने का मौका मिलेगा। इन हाउस इंटर्नशिप के तहत 50 दिन विद्यार्थियों को काम करना होगा। इसके एवज में उन्हें अनुभव प्रमाणपत्र दिया जाएगा। इस अनुभव से उन्हें रोजगार के अवसर मिलेंगे। इसमें आवेदन की शुरुआत एक मार्च से होगी।

लवि ने हाल ही में कर्मयोगी छात्रवृत्ति की शुरुआत की थी। इसमें चयनित छात्र-छात्राओं को रोजाना दो घंटे (अधिकतम 50 दिन) काम करना होता है। इसके लिए एक शैक्षिक सत्र में 15,000 रुपये तक उन्हें दिया जाता है। अब कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देशन में डीन स्टूडेंट वेलफेयर नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप कर्मोदय योजना शुरू करेंगी।

सीखने का मिलेगा मौका : यह योजना छात्र-छात्राओं को सीखने का अवसर देगी। डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि यह एक

अवैतनिक योजना है। इसमें छात्रों को वास्तविक कार्यस्थलों का अनुभव कराने, उनके ज्ञान और कौशल में गुणात्मक वृद्धि करने के लिए इसकी शुरुआत की जा रही है।

ये कर सकते हैं आवेदन : कर्मोदय योजना में विश्वविद्यालय के अंतिम वर्ष के सभी विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। यह योजना विश्वविद्यालय के उन छात्रों की मांग पर शुरू की जा रही है, जो कर्मयोगी योजना में आवेदन करने के लिए पात्र नहीं हैं। स्नातक या परास्नातक पाठ्यक्रमों के अंतिम या पूर्व-अंतिम वर्ष के जो छात्र नियमित या स्व-वित्त पाठ्यक्रमों के लिए नामांकित हैं। पिछली परीक्षा में न्यूनतम 60 फीसद अंकों के साथ उत्तीर्ण, और पिछले शैक्षणिक सेमेस्टर या वर्ष में कम से कम 75 फीसद उपस्थिति है, वे आवेदन के लिए योग्य हैं।

होली बाद होंगी यूजी, पीजी प्रथम सेमेस्टर परीक्षाएं

लवि स्नातक व परास्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं होली के बाद होंगी। इसका परीक्षा कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है। जल्द ही परीक्षा विभाग इसे जारी करेगा। पहली बार हरदोई, खीरी, रायबरेली और सीतापुर में भी परीक्षाएं होंगी। इसके लिए परीक्षा केंद्र भी बनाए जाएंगे। परीक्षा विभाग का कहना है कि विषम सेमेस्टर की काफी परीक्षाएं होली तक निपट जाएंगी। इसलिए प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं होली के बाद कराने की तैयारी है। जिलों में परीक्षाएं कराने के लिए नोडल केंद्र लगभग फाइनल हैं। परीक्षा केंद्रों के लिए कालेजों से विवरण मांगा गया है। उसकी समीक्षा की जा रही है। जहां परीक्षाएं कराने की सभी सुविधाएं होंगी, उन्हीं को केंद्र बनाया जाएगा। प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं एक साथ कराए जाने की वजह से एमबीए सहित कई पाठ्यक्रमों की पूर्व निर्धारित परीक्षा तिथि आगे बढ़ाई गई है।

प्रो . विवेक को मिलेगा लाइफटाइम माइक्रोबायोलाजी निष्ठा सम्मान

जागरण संवाददाता, लखनऊ : राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर सोमवार को लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) के वनस्पति विज्ञान विभाग और माइक्रोबायोलाजिस्ट सोसायटी आफ इंडिया की ओर से समारोह आयोजित होगा। इस दौरान विभाग में कार्यरत प्रो. विवेक प्रसाद को वायरस के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए आजीवन माइक्रोबायोलाजी निष्ठा पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। साथ ही विद्यार्थियों को भी अलग-अलग पुरस्कारों से पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

कार्यक्रम दोपहर दो बजे वनस्पति विज्ञान विभाग के सभागार में होगा। विभाग के प्रो. अमृतेश चंद्र शुक्ल ने बताया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर आधारित क्विज प्रतियोगिता होगी। इसमें विभाग के स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी के विद्यार्थी प्रतिभाग करेंगे। समारोह में बीते वर्ष 24 अक्टूबर को हुई 'उद्यमिता के साथ रोगाणु' पर अंतरराष्ट्रीय ई-सम्मेलन में चयनित पुरस्कारों का वितरण भी किया जाएगा। समारोह में वनस्पति विज्ञान विभाग की शोधार्थी करीना अफजल को बेस्ट ओरल पेपर प्रेजेंटेशन अवार्ड, शोधार्थी हर्षिता गौरव को बेस्ट ओरल पोस्टर प्रेजेंटेशन अवार्ड, शोधार्थी अंकिता मौर्य, शोधार्थी हिमांशु यादव और शोधार्थी रामानन्द यादव को बेस्ट स्टूडेंट अवार्ड, और इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ की शोधार्थी फौजिया परवीन को बेस्ट स्टूडेंट अवार्ड दिया जाएगा। क्विज प्रतियोगिता के तहत जिन विद्यार्थियों का चयन होगा उन्हें भी प्रशस्ति पत्र और अवार्ड देकर सम्मानित किया जाएगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय और माइक्रोबायोलाजिस्ट सोसायटी आफ इंडिया की ओर से सोमवार को होगा कार्यक्रम

AMRIT VICHAR PAGE 5

पहल | लविवि ने छात्र-छात्राओं को दी राहत, कर्मोदय योजना की तर्ज पर मिलेगी सुविधा

पढ़ाई के साथ इंटर्नशिप कराएगी 'कर्मोदय योजना'

अमृत विचार, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ इंटर्नशिप का भी मौका मिलेगा। इसके लिए विश्वविद्यालय जल्द नई पहल करेगा। कर्मयोगी की तर्ज पर कर्मोदय योजना की शुरुआत की जाएगी। इसमें विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ विभागों में काम करने का मौका मिलेगा। इन हाउस इंटर्नशिप के तहत 50 दिन विद्यार्थियों को काम करना होगा, जिस पर उन्हें सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा। विश्वविद्यालय ने हाल ही में कर्मयोगी छात्रवृत्ति की शुरुआत की थी। इसमें चयनित छात्र को रोजना दो घंटे अधिकतम 50 दिन काम करना होता है। एक शैक्षिक सत्र में 15 हजार रुपये तक उन्हें दिए जाते हैं। अब कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देशन में डीन स्टूडेंट वेलफेयर ने नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप कर्मोदय योजना शुरू की है। इस पहल से छात्रों को सीखने का भी मौका मिलेगा।

डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि यह एक अवैतनिक योजना है। इसमें छात्रों को वास्तविक कार्यस्थलों का अनुभव कराने के लिए इसकी शुरुआत की जा रही है। कर्मोदय योजना में यूनिवर्सिटी के अंतिम वर्ष के स्टूडेंट्स आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के तहत परिवार की आय या किसी अन्य फेलोशिप, छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले भी आवेदन के पात्र होंगे। यह योजना यूनिवर्सिटी के उन छात्रों की मांग पर शुरू हो रही है, जो कर्मयोगी योजना में आवेदन करने के लिए पात्र नहीं हैं।

TRUE TIMES PAGE 1

कर्मयोगी से कर्मोदय: लखनऊ विश्वविद्यालय की पहल से छात्र होगे पढ़ाई के साथ कार्यकुशल

ट्रू टाइम्स संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय मे छात्र केंद्रित वातावरण को और सुदृढ़ एवं सुनिश्चित करने के लिए, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण ने नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप एक और पहल शुरू की है, जिसका नाम 'कर्मोदय' है । यह योजना छात्र-छात्राओं को अनुभवजनित सीखने का अवसर प्रदान करती है, जिसे प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय ने ई2020 के एक्शन क्लॉज 12 में लाने के लिए शुरू किया है, जो उच्च शिक्षा में छात्रों के क्षमताओं के विकास पर बल देता है। 'कर्मोदय' पहल का मूल उद्देश्य, एक ऐसा वातावरण तैयार करना है जो कार्यों मे सक्रिय भागीदारी के माध्यम से सीखकर छात्रों की क्षमताओं को विकसित करे । यह एक अवैतनिक योजना है जिससे छात्रों की संवाद शक्ति मे व्यावहारिक दृष्टिकोण विकसित होने के साथ ही उनके नैतिकता और कार्य के प्रति उनके सम्मान मे गुणवत्तापूर्ण प्रभाव लाएगा । विश्वविद्यालय छात्रों को वास्तविक कार्यस्थलों का अनुभव कराने, उनके ज्ञान और कौशल मे गुणात्मक वृद्धि करने के लिए विश्वविद्यालय परिसर के भीतर इस इन-हाउस इंटर्नशिप को लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।

यह योजना छात्रों को सकारात्मक और सार्थक कार्यों में लगा कर उनकी युवा ऊर्जा को एक दिशा देने मे प्रभावी योगदान करेगी । योजना के माध्यम से छात्रों मे पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और दिन प्रतिदिन के कार्यकलापों मे सक्रिय भागीदारी के माध्यम से एक आदर्श नागरिकता के रूप मे विकसित होने में मदद मिलेगी । 'कर्मोदय' योजना विश्वविद्यालय के सभी छात्र आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के तहत परिवार की आय के आधार पर, या किसी अन्य संसाधन से किसी अन्य फेलोशिप / छात्रवृत्ति प्राप्त करने के आधार पर कोई विभेद नही होगा। इस इंटर्नशिप प्रोग्राम से छात्रों को रोजगारोन्मुख होने के अनेक अवसर प्राप्त होंगें । इंटर्नशिप के पूरा होने पर, छात्रों को इंटर्नशिप के दौरान किए गए कार्यों को चिन्हित करते हुए अनुभव प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। यह इंटर्नशिप कार्यक्रम विश्वविद्यालय के उन छात्रों की मांग पर बनाया गया है जो 'कर्मयोगी' योजना में आवेदन करने के लिए पात्र नहीं हैं, जिसे उन छात्रों के लिए शुरू किया गया था जिनकी पारिवारिक आय रुपये 3 लाख प्रति वर्ष से कम थी और वह वर्तमान में किसी भी अन्य संसाधनों से फेलोशिप / छात्रवृत्ति सहित किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता प्राप्त नहीं कर रहे थे । स्थापना के समय से ही यह योजना छात्रों के बीच बहुत लोकप्रिय हो गई क्योंकि इस योजना में छात्र विश्वविद्यालय परिसर में काम करके एक शैक्षणिक वर्ष में 15,000 रुपये तक कमा सकते हैं।

'कर्मोदय' योजना के तहत एक शैक्षणिक सत्र में न्यूनतम इंटर्नशिप अवधि 50 दिन है। सभी श्रेणियों के सहायकों के लिए काम के घंटे दो महीने (दिन में अधिकतम 2 घंटे) की अवधि में समान रूप से वितरित किए जाएंगे। अधिकतम इंटर्नशिप अवधि एक सेमेस्टर है। विश्वविद्यालय के वे छात्र उपर्युक्त योजनाओं के लिए पात्र होगें, जो विश्वविद्यालय में स्नातक या परास्नातक पाठ्यक्रमों के अंतिम या पूर्व-अंतिम वर्ष के छात्र हैं, विश्वविद्यालय के नियमित या स्व-वित्त पाठ्यक्रमों के लिए नामांकित हैं, पिछली परीक्षा में न्यूनतम 60% अंकों के साथ उत्तीर्ण, और पिछले शैक्षणिक सेमेस्टर / वर्ष में कम से कम 75% उपस्थिति रही हो।

THE PIONEER PAGE 3

Karmayogi to Karmoday: LU students to work hand in hand with studies

PNS | LUCKNOW

To ensure an engaging and supportive environment for students, Lucknow University's dean of student welfare launched another initiative in line with the New Education Policy 2020, named Karmoday, an opportunity for experiential learning.

The scheme is another student-centric approach initiated by LU Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai to bring into action Clause 12 of the NEP-2020 which lays emphasis on adequate student support focused on development of capabilities among students in higher education.

Dean of Student Welfare Prof Poonam Tandon said that 'Karmoday' was set with the basic objective to create an environment which builds student capabilities through learning by doing.

"It is an unpaid scheme that provides hands-on approach to learning through students' interaction with the environment and besides developing capabilities, it also infuses work ethics and respect for work," she said.

She said that the University encourages students to take-up this in-house internship within the University campus to experience real workplaces, apply their knowledge and skills to perform.

"This scheme will channel the youthful energy of the students in a positive direction by making their minds engaged in fruitful work. It makes them sensitive to their environment and helps to inculcate citizenship behaviour through active participation. The Karmoday scheme is open for all the students of the university, there will not be any exclusion of students based on family income or being recipients of any other fellowship/scholarship from any other resources," she added.

Prof Tandon said that the internship programme would strongly benefit students' resumes.

"On completion of the internship, students will be provided experience certificates stating the work accomplished during the internship. This internship programme is designed on high demand from the university students who are not eligible to apply in the Karmayogi scheme launched for those students whose family income is less than Rs 3 lakh per annum and he/she is not currently receiving any kind of financial assistance including fellowship scholarship from any other resources. Since its inception, this scheme has become very popular among students because in this scheme students may earn up to Rs 15,000 in an academic year by doing work on the university campus," she added.

She said that in the Karmoday scheme, the minimum internship duration was 50 days in an academic session. "The working hours for all categories of assistants shall be evenly distributed over a period of two months (maximum two hours a day). The maximum internship duration is one semester. A student would be eligible for the schemes, if he or she is a student of final or pre-final year of bachelor or masters' courses in the university, enrolled for the regular or self-finance courses of the university, has passed with minimum of 60 per cent marks in the previous examination, and has at least 75 per cent attendance in the previous academic semester year.

PLACEMENTS: Meanwhile, eight students of the Faculty of Engineering and Technology of Lucknow University got placed in campus placement drive.

Eight students got placement offers from three different companies in the campus placement drive organised by Training and Placement Cell, FOET Lucknow University. Two students, Mohammad Atif and Sujata, got placement offers for the role of software engineer at an annual CTC of Rs 6.89 lakh per annum. Five other students, Shikha Srivastava, Vikas Maurya, Navneet Verma, Jai Pratap and Anany Saraswat, were selected as auditor and risk consultant in SRN Technologies at a maximum package of Rs 6 lakh per annum.

HINDUSTAN TIMES PAGE 2

LU launches 'Karmoday' scheme for students

HT Correspondent

letters@htlive.com

LUCKNOW : To ensure an engaging and supportive environment for students, the office of dean student welfare, University of Lucknow, launched a new initiative in line with the New Education Policy (NEP) 2020, named 'Karmoday', an opportunity for experiential learning, the varsity said in a press release.

This scheme is a student-centric approach initiated by Prof Alok Kumar Rai, vice-chancellor, to bring into action clause 12 of NEP2020, which lays emphasises on adequate student support focused on the development of capabilities among students in higher education. The initiative 'Karmoday' is set with an objective to create an environment that builds student capabilities. It's an unpaid scheme that provides a hands-on approach to learning, said Prof Poonam Tandon, dean students' welfare.

'Karmoday' scheme is open for all the students of the university and there will not be any exclusion of students based on family income or being the recipient of any other fellowship or scholarship.

This internship programme will benefit students' resumes, and on completion of the internship, a student would be provided experience certificates stating the work accomplished.

This internship programme is designed on the demand of university students, who are not eligible to apply to the 'Karmyogi' scheme. The 'Karmyogi' scheme was launched for those students whose family income was less than ₹3 lakh per annum, and he/she is not currently receiving any kind of financial assistance, including fellowship or scholarship from any other resources. Since its inception, this scheme became very popular among students who may earn up to ₹15,000 in an academic year by doing work on the university campus.

लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण हेतु छात्र केंद्रित दृष्टिकोण प्रणाली को किया जा रहा विकसित

ट्रू टाइम्स संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के विजन और मिशन की परिकल्पना के अनुसार मानव विकास के लिए एक सुव्यवस्थित समर्थन प्रणाली का होना नितांत अनिवार्य है। उच्च शिक्षा संस्थानों में, एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए आवश्यक मजबूत समर्थन प्रणाली, पर ही विकसित हो सकता है। विश्वविद्यालय में छात्र सहायता प्रणाली को मजबूत करने के लिए, एनईपी 2020 सुधारों के क्रियान्वयन की दिशा में, प्रो आलोक कुमार राय, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय ने छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता सहित कई उपायों के माध्यम से पहुंच, सहयोग एवं समावेश बढ़ाने के लिए छात्र केंद्रित पहल पर ध्यान केंद्रित किया है। इसके साथ ही छात्रों के साथ सलाह और परामर्श से स्वास्थ्य और स्वच्छता संबंधित उपाय परिसर को विकसित करने मे प्रभावी योगदान होता है। विश्वविद्यालय में डीन स्टूडेंट वेलफेयर (डीएसडब्ल्यू) छात्र केंद्रित सहायता प्रणाली के निर्माण को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न योजनाओं को तैयार करने, लागू करने और मूल्यांकन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रो. पूनम टंडन, डीन स्टूडेंट वेलफेयर के पिछले दो वर्षों के कार्यकाल में छात्र केंद्रित परिसर तैयार करने के लिए,अनेक चुनौतियों से निपटने के लिए कड़ी मेहनत से लागू किए गए निश्चय प्रभावी कदम शामिल हैं ।

कर्मयोगी, छात्र कल्याण,शोध मेधा, और अर्पण -एडाप्ट ए ब्रेन इत्यादि योजनाएँ जो छात्र हित मे छात्रवृत्ति, वित्तीय सहायता एवं अन्य अवसर प्रदान करती हैं जिनमे ओपीडी योजना,ट्री योजना, संरक्षण योजना,मेधावी छात्र परिषद, हैप्पी थिंकिंग लैब, परामर्श और मार्गदर्शन सेल, वीसी के साथ कॉफी जैसी सलाह और परामर्श पहल, और परिसर मे सुविधाओं के विकास जैसे हीमोग्लोबिन और स्वास्थ्य जांच शिविर, सभी लड़कियों के छात्रावासों और अन्य महिला शौचालयों में सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और भस्मक, दोनों परिसरों में समर्पित सफाईकर्मियों के साथ लड़कियों के शौचालय, सभी 17 छात्रावासों में ओपन जिम, इलेक्ट्रिक रिक्शा और दिव्यांगजन कैंटीन शामिल हैं ।

छात्रों की जरूरतों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए डीएसडब्ल्यू द्वारा सफलतापूर्वक निष्पादित कई सतत गतिविधियों में से प्रमुख हैं - स्टूडेंट लाउंज के साथ स्टूडेंट फैसिलिटी सेंटर की स्थापना और डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर, चीफ प्रोवोस्ट, डायरेक्टर इंटरनेशनल प्रोग्राम्स और एक ही छत के नीचे एडमिशन के कार्यालयों की स्थापना जिससे छात्रों को और सुविधा हुई है।

विश्वविद्यालय के दो परिसरों में फैले लगभग 20000 छात्रों के मुद्दों को संबोधित करने के लिए इस तरह की गतिविधियों के लिए कई हाथों की आवश्यकता होती है। अतः इस प्रक्रिया में सक्रिय रूप से लगे शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के माध्यम से अपने कार्यों को निष्पादित करता है। इस हेतु डॉ अमृतांशु शुक्ला (भौतिकी विभाग), डॉ संगीता साहू (व्यवसाय प्रशासन विभाग), डॉ राघवेंद्र प्रताप सिंह (राजनीति विज्ञान विभाग) और डॉ अल्का मिश्रा (गणित विभाग) सहित चार अतिरिक्त डीन स्टूडेंट वेलफेयर और नौ सहायक डीन स्टूडेंट वेलफेयर (डॉ ज्योत्सना सिंह, डॉ मो अनीस, डॉ रोहिणी यादव, डॉ रजनी श्रीवास्तव, डॉ अमित त्रिपाठी, डॉ सुभान आलम खान, डॉ अमित कुमार सिंह, डॉ राजेश सिंह, डॉ राजन श्रीपाद फुलारी) को मुख्य परिसर के लिए डीएसडब्ल्यू टीम मे शामिल किया गया है । इसी क्रम मे नए परिसर के लिए एक अतिरिक्त डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ विनीता काछड , और नौ सहायक डीन-डॉ वरुण छाछड़, डॉ अभिषेक के तिवारी, डॉ अनुपमा श्रीवास्तव, डॉ मृणालिनी सिंह, डॉक्टर जीशान अली सुद्दीकी, डॉ शशि बाला, डॉ रचना पाठक, डॉक्टर दीपक गुप्ता एवं डॉ एस एम एच रिज़वी को डीएसडब्ल्यू टीम मे जोडा गया है।

प्रेरणास्रोत कुलपति प्रो. राय के प्रखर मार्गदर्शन एवं नेतृत्व मे प्रो. पूनम टंडन ने टीम के सभी सदस्यों का स्वागत किया और दोनों परिसरों में छात्र अनुकूल वातावरण के निर्माण के लिए उत्साह के साथ कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई।